पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सोनू निगम की गर्दन की नस दबी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 95 ■ शुक्रवार 19 जून 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

हथियार बेचने आया युवक गिरफ्तार

■ कोलसेवाडी पुलिस में मामला दर्ज

■ गिरफ्तार युवक का नाम नीलेश क्षीरसागर

कल्याण. कल्याण पूर्व इलाके में बढ़ते क्राइम को देखते हुए कोलसेवाडी पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है और गैर-कानूनी हथियार बेचने आए एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

पुलिस को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर पता चला कि कल्याण पूर्व के 100 फीट रोड इलाके में एक युवक पिस्टल बेचने आएगा। इसके मुताबिक, कोलसेवाडी थाने के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर हेमंत गुरव की टीम ने DCP अतुल झेंडे और ACP अशोक होनमाने की मार्गदर्शन में इलाके में ट्रैप लगाया। जैसे ही युवक दोपहर करीब 12:30 बजे इलाके में आया, पुलिस ने उसे कस्टडी में ले लिया। पूछताछ में उसकी पहचान नीलेश शिरसागर के तौर पर हुई। उसके पास से एक पिस्टल जब्त की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि नीलेश के खिलाफ पहले भी केस दर्ज है। कोलसेवाडी पुलिस यह पता लगाने के लिए पूरी जांच कर रही है कि जब्त पिस्टल कहां से लाई गई थी, किसे बेची जानी थी और इस मामले में कोई और तो शामिल नहीं है। इस बारे में जानकारी देते हुए सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर हेमंत गुरव ने बताया कि बढ़ते क्राइम रेट को रोकने के लिए पुलिस की तरफ से एक खास कैंपेन चलाया जा रहा है और गैर-कानूनी हथियार रखने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिले में परप्रांतीय किरायेदारों की जानकारी पुलिस को देना जरूरी

ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने जारी किए नए आदेश

संदिग्ध गतिविधियों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए अहम फ़ैसला

ठाणे. जिला प्रशासन को पता चला है कि जिले में बढ़ते शहरीकरण के साथ प्रवासी नागरिकों, मज़दूरों, छात्रों और अलग-अलग वजहों से रहने के लिए आने वाले लोगों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। इस पृष्ठभूमि में, ठाणे जिला प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए एक अहम फ़ैसला लिया है। जिले में मकान, फ़्लैट, दुकान, होटल, लॉज, फ़ार्महाउस या दूसरी जगह किराए पर देने वाले मालिकों के लिए किराएदारों की पूरी जानकारी तुरंत नज़दीकी पुलिस स्टेशन को देना ज़रूरी कर दिया गया है। जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने इस बारे में एक आदेश जारी किया है।

जांच में आती हैं मुश्किलें

बदलापुर, मुरबाड, शहापुर, भिवंडी ग्रामीण इलाकों समेत जिले के अलग-अलग हिस्सों में इंडस्ट्री, कंस्ट्रक्शन सेक्टर और सर्विस बिज़नेस की वजह से बड़ी संख्या में प्रवासी नागरिक रहने के लिए आ रहे हैं। प्रशासन को पता चला था कि कई बार पुलिस के पास किराएदारों का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं होता था, जिससे जांच में मुश्किलें आती थीं। जिले के ग्रामीण इलाकों में भी पुलिस को यह समस्या तेज़ी से महसूस होने लगी है। इसी को देखते हुए, ठाणे ग्रामीण पुलिस के प्रस्ताव के मुताबिक यह आदेश लागू किया गया है, और इसे जिले के सभी पुलिस स्टेशनों की सीमा में लागू किया जाएगा। इस आदेश के मुताबिक, घर के मालिकों, दुकानदारों, होटल संचालकों, लॉज मालिकों, रेंटल एग्रीमेंट करने वाले एजेंटों, सोसायटी मैनेजमेंट और संबंधित प्रॉपर्टी मालिकों को किराएदारों या रहने आने वाले लोगों की पूरी जानकारी पुलिस को देनी होगी। इसमें संबंधित व्यक्ति का पहचान पत्र, स्थायी पता, फोटो, कॉन्टैक्ट नंबर, नौकरी या बिजनेस की जानकारी के साथ-साथ ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स शामिल होंगे। यह जानकारी संबंधित पुलिस स्टेशन में खुद जाकर या ऑनलाइन जमा की जा सकती है।

जैसा कि प्रशासन के आदेश में बताया गया है, जिले के कुछ हिस्सों में आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग, गैर-कानूनी बिजनेस करने वाले, फरार आरोपी या असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के किराए पर रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रशासन ने साफ किया है कि ऐसे लोगों को ढूंढना और उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई करना आसान बनाने के लिए पुलिस के पास किराएदारों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी होना ज़रूरी है।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने में होगा मददगार

उद्योग और नौकरी के मौकों की वजह से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और दूसरे राज्यों के हज़ारों नागरिक ठाणे के ग्रामीण इलाकों में रह रहे हैं। हालांकि इनमें से ज़्यादातर नागरिक कानूनी तौर पर काम कर रहे हैं, लेकिन उनके रहने का ऑफिशियल रिकॉर्ड होना सुरक्षा के लिहाज़ से एक ज़रूरी मुद्दा है। पुलिस प्रशासन ने भरोसा जताया है कि यह फ़ैसला लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के साथ-साथ चोरी, डकैती, धोखाधड़ी, जाली कागज़ात, गैर-कानूनी तरीके से रहने और दूसरे अपराधों को रोकने में मददगार होगा।

अपराधियों को ट्रैक करना होता है मुश्किल...

- अक्सर, अपराध होने के बाद संबंधित लोगों को ट्रैक करना मुश्किल होता है। हालांकि, अगर किराएदारों की जानकारी पहले से मौजूद हो, तो इससे जांच एजेंसियों को बहुत मदद मिलेगी।
- इस बीच, इस आदेश का उल्लंघन करने वाले मकान मालिकों और संबंधित लोगों के खिलाफ़ कार्रवाई की जा सकती है। इसलिए, प्रशासन ने किराएदार रखने वाले सभी मकान मालिकों से नियमों का पालन करने और समय पर जानकारी जमा करने की अपील की है।
- जिला प्रशासन के इस फैसले से ठाणे जिले में किराएदार रजिस्ट्रेशन सिस्टम और बेहतर होगा, और बाहर से आए नागरिकों के रहने की जगह के बारे में ऑफिशियल जानकारी प्रशासन और पुलिस के पास उपलब्ध होगी।

उल्हास नदी घाट पर वरिष्ठ नागरिकों को किया गया कैद?

उल्हासनगर. उल्हास नदी घाट पर जॉगिंग के लिए गए सीनियर सिटिज़न को लोहे का गेट बंद कर कैद किए जाने की घटना दो दिन पहले सामने आई थी। इसलिए, नदी घाट का मालिक असल में कौन है? यह सवाल उठ रहा है।

घाट का लोहे का गेट बंद होने से उल्हास नदी घाट पर सीनियर सिटिज़न के फंसने का एक वीडियो वायरल हुआ है। कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर प्रशांत मानकर ने बताया कि घाट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का है। म्युनिसिपल प्रॉपर्टी डिपार्टमेंट की हेड छाया डांगले ने भी इसकी पुष्टि की, जबकि घाट को डेवलप करने पर 10 करोड़ से ज़्यादा खर्च हुए हैं। MLA ऐलानी ने कहा कि गेट बंद होने से नागरिकों के फंसने की घटना की जानकारी नहीं है।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले 'एक्शन मोड' पर

■ विभागीय अधिकारियों की बैठक

■ शिकायतों का तुरंत निपटारा करें, नहीं तो जुलाई की सैलरी में देरी होगी!

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने सभी डिपार्टमेंटल अधिकारियों और डिपार्टमेंट हेड्स की मीटिंग ली। इस मीटिंग में उन्होंने शहर में अलग-अलग पेंडिंग मामलों, नागरिक सुविधाओं और एडमिनिस्ट्रेटिव कामों का अच्छे से रिव्यू किया और कहा कि काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि अगर EHRMS सिस्टम में अटेंडेंस दर्ज नहीं की गई तो जुलाई 2026 की सैलरी रोक दी जाएगी।

कमिश्नर अव्हाले ने मीटिंग में अधिकारियों को आदेश दिया है कि उल्हासनगर में हजारों करोड़ के फंड से कई डेवलपमेंट के काम चल रहे हैं और चूंकि वे आधे-अधूरे हैं, इसलिए मानसून में उनके समस्याओं का भंडार बनने की संभावना है। सभी डिपार्टमेंट नागरिक शिकायतों, PG पोर्टल, 'आपले सरकार' सिस्टम के साथ-साथ MPs, MLAs और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का तुरंत समाधान करके अपना डेटा अपडेट करें. कमिश्नर ने भविष्य में पानी की कमी को ध्यान में रखते हुए गैर-कानूनी पाइप कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया।

राणा खदान डंपिंग ग्राउंड

पब्लिक हेल्थ और कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट को 19 जून, 2026 तक राणा खदान में डंपिंग ग्राउंड के इस्तेमाल पर एक रिपोर्ट जमा करनी चाहिए। उन्होंने एक नोटिस बोर्ड लगाने का भी आदेश दिया, जिसमें लिखा हो कि यह ज़मीन नगर निगम की है।

EHRMS सिस्टम ज़रूरी

मनपा में ट्रांसपेरेंसी लाने के लिए EHRMS सिस्टम के तहत छुट्टी मैनेजमेंट और अटेंडेंस रजिस्ट्रेशन पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। यह साफ़ किया गया है कि जुलाई 2026 की सैलरी EHRMS सिस्टम में अटेंडेंस रिकॉर्ड के हिसाब से ही दी जाएगी।

प्रॉपर्टी टैक्स पर नज़र

डिप्टी कमिश्नर को प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट की रोज़ाना की वर्किंग रिपोर्ट सीधे कमिश्नर को जमा करनी चाहिए और ज़रूरत के हिसाब से प्रॉपर्टी टैक्स के मामलों की सुनवाई होनी चाहिए। कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने यह भी निर्देश दिया है कि पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट 19 जून से पहले चल रहे और कैंसिल किए गए कामों की लिस्ट जमा करे।

स्वच्छता को लेकर अनोखा आंदोलन

■ मुर्गी के कटे पैर का हार पहनकर किया आंदोलन

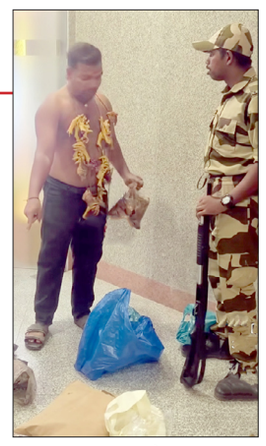

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक सामाजिक कार्यकर्ता यश जगले ने शहर में जगह-जगह फेंके गए कचरा, अस्वच्छता, अवैध बांधकाम पर कार्रवाई नहीं होने पर कचरे के ढेर में से मुर्गी के कटे पैर, उसकी मुंडी का हार बनाकर गले में डालकर और गटर से एवं बाहर फेंके गए कचरे को थैलियों में लेकर मुख्याधिकारी के केबिन के पास शर्ट उतार कर अनोखा आंदोलन शुरू किया. उसने मुख्याधिकारी के केबिन के बाहर कचरा फेंककर कहा कै उसे मुख्याधिकारी से भेंट करना है. सुरक्षा रक्षकों ने उसे समझाया, पकड़ कर उसे ढकेल कर बाहर करने का प्रयास किया. नपा कार्यालय में हंगामा खड़ा हो गया था. नपा के अधिकारियों ने उसे समझाया. आखिर मुख्याधिकारी ने उससे बातचीत की तो उसने बताया कि शहर के डीएमसी रोड पर, नया भेंडीपाड़ा, घाडगे नगर आदि स्थानों पर कचरे का ढेर जमा रहता है. साथ ही मुर्गी मांस विक्रेता खुले में, कचरे में मुर्गी के अवशेष फेंक देते हैं. गटर भी साफ नहीं करने से लोगों की जान को खतरा बढ़ गया है. ऐसा पत्र उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को कई बार देने के बाद भी ध्यान नहीं दिए जाने पर उन्होंने गले में मुर्गी के कटे पैर, मुंडी का हार बनाकर गले में डालकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया है. मुख्याधिकारी ने यश जगले की बात को गौर से सुना और तुरंत उपरोक्त स्थानों पर स्वच्छता के आदेश देनेर कचरा उठाने का कार्य, गटर की सफाई बड़े पैमाने पर शुरू कर दी गई. विदित हो कि ये वही यश जगले हैं, जिन्होंने 21 मई को नपा कार्यालय के समक्ष एक मरे हुए कुत्ते को साथ में लेकर बैठ गए थे एवं जानवरों के लिए शेल्टर होम बनाने की मांग की थी. प्रशासन ने उनकी इस बात को मान्य कर लिया था.

शहाड-मोहने रोड पर गैरेज और वॉशिंग सेंटरों की भरमार

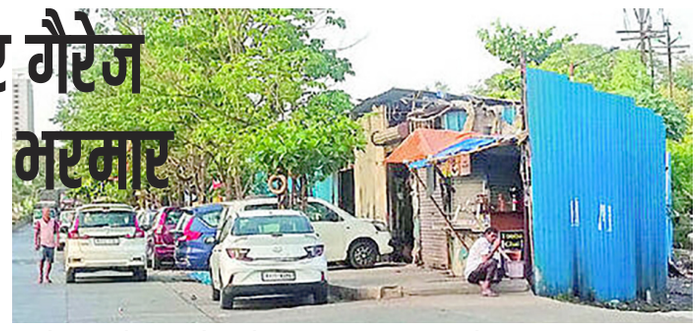

कल्याण. KDMC के A वार्ड के अंतर्गत शहाड-मोहने रोड पर काफी हद तक गैरेज और वॉशिंग सेंटर बन गए हैं। चूंकि सड़क के किनारे खाली जगहों पर बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं, इसलिए लोगों में दबी आवाज़ में यह चर्चा है कि सड़क के किनारे खाली जगहों को कब खाली कराया जाएगा?

कल्याण वेस्ट में शहाड से मोहने रोड पर गैरेज और वॉशिंग सेंटर बन गए हैं। इसमें कई वॉशिंग सेंटर और गैरेज ने अपनी दुकानें बना ली हैं, जिनमें माउली वॉशिंग सेंटर, रॉयल ऑटो गैरेज, सांवरिया सेठ कार वॉशिंग सेंटर, वीर वॉशिंग सेंटर, नूर पान शॉप वगैरह शामिल हैं। यह इलाका A वार्ड ऑफिस की हद में आता है।

सड़क की अच्छी तरह से सुंदरता बढ़ाई गई है, लेकिन इन झोपड़ियों के बनने से इलाका खराब दिखने लगा है। दबी ज़ुबान में चर्चा है कि खाली ज़मीनों पर बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन के लिए रोज़ हज़ारों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इन बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन की कई शिकायतों के बावजूद, इस वॉशिंग सेंटर और गैरेज कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। इस वजह से सड़क पर गाड़ियां चल रही हैं और एक्सीडेंट होने का चांस है।

वार्ड एरिया ऑफिसर और असिस्टेंट कमिश्नर जयवंत चौधरी हमेशा यह बहाना बनाते हैं कि कर्मचारी और अधिकारी जनगणना का काम होने की वजह से बिज़ी हैं। लोगों ने बताया कि वे गोलमोल जवाब देते हैं कि जनगणना का काम होने के बाद संबंधित गैराज और वॉशिंग सेंटर के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

अंबरनाथ में महावितरण कार्यालय पर जबरदस्त मोर्चा

■ स्मार्ट मीटर के विरोध में हजारों लोग सड़क पर

■ लोगों की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे -महावितरण अधिकारी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में लोगों की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे. महावितरण के अधिकारी राजेंद्र भांबरे के आश्वासन के बाद स्मार्ट मीटर के खिलाफ महावितरण कार्यालय पर निकाला गया जबरदस्त मोर्चा शांत हुआ. गुरुवार को नगरसेवक विकास सोमेश्वर, राहुल सोमेश्वर के नेतृत्व में कैलाश नगर से मोर्चा निकालते समय पुलिस ने अडानी के पुतले को जब्त करने पर बड़ा हंगामा हुआ. सोमेश्वर बंधु पुलिस वाहन के आगे जाकर लेट गए. पुलिस और उनके बीच हंगामा होने के बाद पुतला पुलिस ने वापस किया. गली-गली में शोर है, अडानी चोर है, के नारे लगाए गए. महावितरण अडानी के लिए काम कर रहा है, ऐसा आरोप लगाने के बाद मोर्चा जब महावितरण के कार्यालय पहुंचा तो पुलिस ने मुख्य गेट पर ही मोर्चे को रोक लिया.

बाद में मोर्चे में शामिल नगरसेवक शैलेश भोईर, नगरसेवक पवन वालेकर, विकास सोमेश्वर ने महावितरण के अधिकारियों से भेंट करके बड़ी देर तक चर्चा की. आखिर में महावितरण के अधिकारी राजेंद्र भामरे ने पत्रकारों को बताया कि लोगों की सहमति के बिना शहर में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएं. विकास ने कहा कि मोर्चा सफल रहा है. सहमति के बिना अगर महावितरण घरों में स्मार्ट मीटर जबरन लगाता है तो वह उनसे या अपने नगरसेवक से शिकायत करें.

शैलेश भोईर ने कहा कि अधिकारियों ने कहा है कि अब से पुराने मीटर के बाजू में स्मार्ट मीटर लगाकर दोनों मीटर की रीडिंग देखी जाएगी. अगर स्मार्ट मीटर ज्यादा यूनिट बताया है तो फिर नहीं लगाया जाएगा. शिकायत केंद्र भी कार्यालय में बनाए जाने का आश्वासन अधिकारियों ने दिया है.

जिले में जल संकट से निपटने की तैयारी

■ जिलाधिकारी कार्यालय में बैठक संपन्न

■ पानी की कमी के उपाय लागू करने की योजना

ठाणे. जिले में पानी की कमी की समस्या को कम करने के लिए, ग्राउंडवाटर लेवल बढ़ाने के अलावा, जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने जलयुक्त शिवार अभियान 2.0, सिल्ट-फ्री डैम और सिल्ट-फ्री शिवार के साथ-साथ नालों को गहरा और चौड़ा करने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। पानी बचाने से जुड़ी अलग-अलग योजनाओं का डिटेल में रिव्यू करने के बाद, जिले में सभी कामों को क्वालिटी और समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया।

मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में उनके ऑफिस में मृद व जलसंधारण विभाग की एक ज़रूरी रिव्यू मीटिंग हुई। मीटिंग में ठाणे जिला जल संधारण अधिकारी और संबंधित डिपार्टमेंट के सीनियर अधिकारी शामिल हुए। मीटिंग में जिले में चल रही अलग-अलग वॉटर कंजर्वेशन योजनाओं की प्रोग्रेस का डिटेल में रिव्यू किया गया।

जलयुक्त शिवार अभियान 2.0 के तहत ठाणे जिले में कुल 1374 काम प्रस्तावित हैं, जिनमें से 1311 काम पूरे हो चुके हैं। यह प्रगति लगभग 95.4 प्रतिशत है और अलग-अलग विभागों के तालमेल से 44 करोड़ 14 लाख रुपये के फंड की असरदार प्लानिंग करके कामों में तेज़ी लाई गई है। वहीं, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड डेवलपमेंट कंपोनेंट 2.0 के तहत शाहपुर तालुका की पांच ग्राम पंचायतों के नौ गांवों में अलग-अलग विकास के काम किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत 763.69 लाख रुपये की लागत वाले कुल 208 कामों में से 183 काम सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। खास बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स को सीधे 108.40 लाख रुपये का फंड बांटा गया है।

राज्य सरकार ने जिन ज़रूरी स्कीमों को परमानेंट लागू करने का फ़ैसला किया है, उनमें 'सेडिमेंट-फ्री डैम और सिल्ट-फ़िल्ड शिवार' और 'नालों की गहराई और चौड़ाई' शामिल हैं, उनका भी डिटेल में रिव्यू किया गया। पानी की जगहों से सिल्ट हटाने से पानी रोकने की कैपेसिटी बढ़ाने में मदद मिलती है। इसलिए, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. पांचाल ने लोकल किसानों से 10 साल से ज़्यादा पुरानी पानी की जगहों से सिल्ट हटाने में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने की अपील की। साथ ही, 2025-26 के दौरान, ठाणे ज़िले में 16 पानी की जगहों से कुल 45 हज़ार 717 क्यूबिक मीटर सिल्ट हटाई गई है। आने वाले 2026-27 के लिए, ज़िले में 68 कामों को एडमिनिस्ट्रेटिव मंज़ूरी मिल गई है और 15 जुलाई से पहले 20 और काम पूरे करने का प्लान है।

सिर मुंडवाया, भूखा रखा और मारपीट की

■ कल्याण में महिला ने दहेज उत्पीड़न का लगाया आरोप

■ गर्भावस्था के दौरान भी उत्पीड़न जारी रहा- अफसाना

■ बहाना बनाकर मेरा सिर मुंडवा दिया- अफसाना

कल्याण. कल्याण में एक महिला में अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज की मांग को लेकर महीनों तक शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उल्हासनगर के एक अस्पताल में इलाज करा रही अफसाना नाम की महिला ने आरोप लगाया कि गर्भावस्था के दौरान उसके साथ मारपीट की गई, उसे खाना नहीं दिया गया, गर्म पानी से जलाया गया और जबरन उसका सिर मुंडवा दिया गया। पुलिस ने उसके पति के परिवार पांच सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, उल्हासनगर की रहने वाली अफसाना की शादी नवंबर 2025 में कल्याण के वाल्धुनी इलाके के समीर अंसारी से हुई थी। उसके परिवार का दावा है कि उन्होंने शादी से पहले ही दूल्हे के परिवार को अपनी आर्थिक तंगी और दहेज देने में असमर्थता के बारे में बता दिया था।

हालांकि, अफसाना का आरोप है कि शादी के तुरंत बाद ही उसके पति और ससुराल वालों ने उसके परिवार पर पैसे और अन्य सामान के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने दावा किया कि गर्भावस्था के दौरान भी उसका उत्पीड़न जारी रहा और उसके पति, सास, ससुर और ननद ने अक्सर उसके साथ मारपीट की।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

दल बदल की नई दस्तक

पश्चिम बंगाल के बाद महाराष्ट्र की सियासत में बगावत की आहट से ऐसा प्रतीत होता है कि अब सिद्धांतों की राजनीति हाशिए पर जा रही है। नहीं तो क्या वजह है कि किसी दल की विचारधारा के साथ चलने वाले और उसके चुनाव चिह्न पर जीत हासिल करने वाले नेता या तो अपना अलग गुट बना रहे हैं या दूसरे किसी दल का दामन थाम रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस के बाद अब शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कुछ सांसदों के अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता के लिए प्रयास करने की अटकलों के बीच फिर यह सवाल उठा है कि अगर जनप्रतिनिधि सुविधा और अवसर की राजनीति करेंगे, तो उन मतदाताओं के विश्वास का क्या होगा, जिन्होंने उन पर भरोसा किया था।

यह निराशाजनक है कि कोई दल सत्ता के गणित में जब कमजोर हो जाता है, तो उसके नेता सुविधा की सियासत करने लगते हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों ने अलग गुट बनाकर सत्तारूढ़ दल में अपना विलय कर लिया था। स्पष्ट है कि सिद्धांतों की दुहाई देने वाले नेता कब अपना दल छोड़ देंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता।

शिवसेना में बगावत कोई पहली बार नहीं हुई है। करीब चार साल पहले एकनाथ शिंदे की अगुआई में कई विधायक उद्धव ठाकरे से अलग हो गए थे। राजनीति में सिद्धांतों की बुनियाद किस तरह कमजोर हो रही है, इसे महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम से एक बार फिर समझा जा सकता है।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना में मौजूदा उथल-पुथल पार्टी को फिर मुश्किल में डाल सकती है। यही वजह है कि पार्टी ने अपने सांसदों को महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होने का व्हिप जारी किया है, ताकि अनुपस्थित रहने वालों पर कार्रवाई की जा सके।

साथ ही पार्टी के कुछ सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर नियमों के अनुरूप फैसला करने का आग्रह किया है। ऐसा लगता है कि इस दल के समक्ष वर्ष 2022 जैसा संकट खड़ा हो गया है, मगर इससे भी बड़ा संकट लोकतंत्र के लिए है, जहां निर्वाचित प्रतिनिधि सत्ता की लालसा में सिद्धांतों का त्याग कर रहे हैं।

विमर्श

गुलामों जैसी हालत में गुलाम कश्मीर

गुलाम जम्मू-कश्मीर में इन दिनों पाकिस्तान की सेना और सरकार की जुगलबंदी वाले सत्ता प्रतिष्ठान के विरुद्ध भारी उबाल दिख रहा है। पीओजेके कहा जाने वाला यह इलाका निरंतर पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान के दमन का शिकार रहा है। जून के पहले सप्ताह में ही राजधानी मुजफ्फराबाद से लेकर मीरपुर तक फैले जनाक्रोश में 30 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

पुलिस की गोली में गंभीर रूप से घायलों की संख्या भी 200 के करीब है। पाकिस्तान सरकार के उपनिवेशवादी सौतेले व्यवहार के खिलाफ यहां की जनता के सामूहिक आक्रोश का यह पहला प्रकटीकरण नहीं है। भारत में कानूनी रूप से शामिल हो चुके जम्मू-कश्मीर पर 1947 में पाकिस्तानी सेना के हमले के दौरान हथिया लिए गए इस इलाके के लोग पिछले 60-70 साल से पाकिस्तानी दमन के खिलाफ आवाज उठाते आ रहे हैं। मई 2024 में भी सरकार विरोधी प्रदर्शनों में करीब चार लोग मारे गए थे। पिछले साल अक्टूबर में भी प्रदर्शन कर रहे नौ लोग पुलिस के हाथों मारे गए।

यह समझना जरूरी है कि भारत के अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तानी हमले का कारण केवल यह नहीं था कि मुस्लिम बहुल रियासत के हिंदू महाराजा हरि सिंह ने पाकिस्तान के बजाय भारत में शामिल होने का फैसला किया था। इसके पीछे दोनों देशों के साझा अंग्रेज सेनापति लार्ड माउंटबेटन और ब्रिटिश सरकार का यह कुत्सित इरादा भी था कि समाजवादी विचारधारा के प्रति घोर

आकर्षण रखने वाले पंडित नेहरू के नेतृत्व वाले भारत और सोवियत संघ तथा चीन के बीच भौगोलिक संपर्क को पूरी तरह तोड़ दिया जाए।

इसीलिए जहां एक ओर पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर पर हमला करके वहां अपना कब्जा जमाने का प्रयास किया, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश कमांडरों ने रियासत के गिलगित-बाल्टिस्तान पर पाकिस्तान का कब्जा करा दिया।

गुलाम जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान की जनता के प्रति पाकिस्तानी शासक अब भी उपनिवेशवादी नजरिया अपनाए हुए हैं। यही कारण है कि वहां की जनता बार-बार विद्रोह में उठ खड़ी होती है। मौजूदा विरोध-प्रदर्शनों की जड़ें भी 2023 के उस प्रविधान से जुड़ी हैं, जिसमें आर्थिक मुद्दों और स्थानीय प्रशासन में पाकिस्तानी दखलंदाजी बढ़ाई गई थी।

यह आंदोलन गेहूं-आटे की आसमान छूती कीमतों और अपने ही प्रांत में पैदा हुई बिजली की तंग एवं महंगी आपूर्ति के खिलाफ शुरू हुआ था, जिसकी कमान स्थानीय व्यापारियों, वकीलों और विद्यार्थियों के साझा संगठन 'जम्मू कश्मीर ज्वाइंट्स आवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के हाथ में थी। पाकिस्तानी शासन ने गेहूं के दाम घटाने और बिजली की आपूर्ति सुधारने तथा उसकी दरें घटाने के वादे तो किए, लेकिन उन पर अमल नहीं किया।

विरोध की यह सुलगती चिंगारी तब और भड़क गई, जब बीते दिनों पाकिस्तान सरकार ने जेएएसी को 'आतंकी' संगठन घोषित कर दिया और उसके नेताओं की गिरफ्तारियां शुरू हो गईं। कई नेताओं पर करोड़ों का इनाम तक रख दिया। पांच जून को कमेटी के एक नेता शाहजेब हबीब को पुलिस एनकाउंटर में मार दिए जाने पर जनता का गुस्सा बेकाबू हो गया।

शासन-प्रशासन ने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाकर आंदोलन को दबाने का प्रयास तो किया, पर वे उसमें सफल नहीं हो पाए। पाकिस्तान भले ही इसमें 11 लोगों के मारे जाने की बात कर रहा हो, पर एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे संगठन और पश्चिमी समाचार एजेंसियों के अनुसार यह संख्या 30 से अधिक है।

कहने को तो वर्तमान आंदोलन के पीछे आटे और बिजली के बढ़े दाम मुख्य वजह हैं, लेकिन इसका कहीं व्यापक कारण पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का इस क्षेत्र और उसकी जनता के प्रति सौतेला रवैया है। यह उल्लेखनीय है कि 1973 के पाकिस्तानी संविधान की पहली धारा में पाकिस्तान के जिन प्रांतों के नाम शामिल हैं, उनमें इस तथाकथित 'आजाद जम्मू-कश्मीर' का नाम नहीं है।

हम सारे संसार को तो नहीं बदल सकते, लेकिन हम अपने व्यक्तिगत संसार को अवश्य बदल सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

क्या ऊर्जा संकट के लिए तैयार है भारत?

पश्चिम एशिया में संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच भले ही सहमति बन गई है और हो सकता है कि शांति समझौते को दोनों देश जल्द ही अंतिम मंजूरी दे दें, लेकिन भारत समेत कई देशों में ऊर्जा संकट से तत्काल राहत नहीं मिल पाएगी।

होर्मुज जलमार्ग खुलने के बाद भी मालवाहक जहाजों की आवाजाही सामान्य होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में तेल और गैस की कमी का सामना कर रहे देशों में संकट और गहरा हो सकता है।

भारत में मौजूदा स्थिति यह है कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार देश के शुद्ध कच्चे तेल आयात की केवल नौ से दस दिन की आवश्यकता के बराबर ही है। ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद की ओर से बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इसमें कहा गया है कि कच्चे तेल के आयात पर ज्यादा निर्भर जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश दो सौ दिन से अधिक की जरूरत के बराबर तेल भंडार बनाए रखते हैं।

इस लिहाज से आबादी के आधार पर देखा जाए, तो भारत के रणनीतिक तेल भंडार अन्य देशों के मुकाबले बेहद कम हैं और यह स्थिति ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर बड़े जोखिम की ओर इशारा

करती है। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग को अवरुद्ध किए जाने से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है।

हालांकि, भारत में सरकार की ओर से कुछ समय तक पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस की कीमतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में लगातार उछाल से सरकार की कोशिशों ने दम तोड़ दिया। इसके बाद पेट्रोल-डीजल और घरेलू रसोई गैस की कीमतों में की गई बढ़ोतरी से आम लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है।

मगर यह बात चिंता को और बढ़ा देती है कि देश के रणनीतिक तेल भंडार केवल नौ से दस दिन की आवश्यकता को ही पूरा कर सकते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या देश में तेल का संकट इतना गहरा हो गया है कि किसी आपात परिस्थिति के लिए भी पर्याप्त मात्रा में भंडारण नहीं हो पा रहा है? या फिर सरकार अभी भी मौजूदा संकट और निकट भविष्य में इससे पैदा होने वाली चुनौतियों को गंभीरता से नहीं ले रही है?

इस बात पर गौर करना जरूरी है कि भारत के कच्चे तेल के आयात का 85 फीसद से अधिक हिस्सा रूस और पश्चिम एशियाई देशों से आता है। ऐसे में अगर आपूर्ति में किसी भी तरह का व्यवधान आता है, तो स्थिति से निपटने की क्षमता सीमित हो जाती है। यानी कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी के समुद्री परिवहन मार्गों में रुकावट का सीधा असर ईंधन की कीमतों और महंगाई पर पड़ता है।

गैस क्षेत्र में भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग आधा हिस्सा एलएनजी आयात के माध्यम से पूरा करता है, लेकिन देश में गैस के लिए कोई समर्पित रणनीतिक भंडारण सुविधा नहीं है। इससे उर्वरक संयंत्रों और शहरी गैस वितरण नेटवर्क पर जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तेल और गैस आपूर्ति के लिए वैकल्पिक उपायों पर गंभीरता से विचार करे। पारंपरिक आपूर्तिकर्ता देशों से इतर अन्य स्रोत तलाशने की कोशिश की जाए, साथ ही देश के रणनीतिक तेल भंडारों को भी मजबूत करने की जरूरत है, ताकि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए माकूल बंदोबस्त किए जा सकें।

प्लेन के पीछे क्यों खींची नजर आती है सफेद लाइन

बच्चों के लिए आसमान में उड़ता प्लेन देखना बहुत ही रोमांच से भरा होता है. पहले बच्चे इससे दौड़ लगाने की

जरा हट के

कोशिश करते हैं, फिर इसके रह गयी सफेद लाइन्स को जो कई किलोमीटर दूर तक जाती हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं ये सफेद लाइन्स कैसे बनती हैं? प्लेन से आसमान में जो सफेद लकीर बनाती है, उसे कॉन्ट्रेल कहा जाता है. इसका पूरा नाम कंडेन्सेशन ट्रेल्स है. ये बर्फ के छोटे-छोटे कणों से बने बादलों जैसी लकीरें होती हैं.

हवाई जहाज आमतौर पर 8,000 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई पर उड़ते हैं. इतनी ऊंचाई पर तापमान बहुत कम होता है, कभी-कभी -50C से -70C तक. दूसरी तरफ, जहाज का इंजन बहुत गर्म होता है और उससे गर्म हवा और भाप निकलती है.

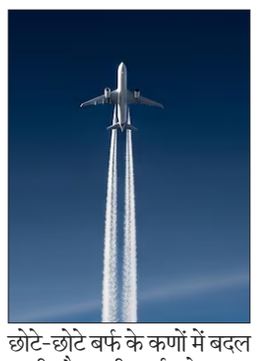

जब इंजन से निकली गर्म भाप बेहद ठंडी हवा से मिलती है, तो वह तुरंत ठंडी होकर

छोटे-छोटे बर्फ के कणों में बदल जाती है. यही बर्फ के कण मिलकर सफेद लकीर बनाते हैं, जो हमें आसमान में दिखाई देती है. अब सवाल है कि कुछ लकीरें जल्दी गायब क्यों हो जाती हैं, जबकि कुछ घंटों तक दिखाई देती हैं? इसका जवाब हवा में ही छिपा है. अगर ऊपर की हवा सूखी है, तो बर्फ के कण जल्दी पिघलकर या भाप बनकर गायब हो जाते हैं. लेकिन अगर हवा में नमी ज्यादा हो, तो ये कण लंबे समय तक बने रहते हैं और लकीर घंटों तक दिखाई दे सकती है. ये लकीरें मुख्य रूप से बर्फ के कणों से बनी होती हैं, लेकिन जब ये लंबे समय तक आसमान में रहती हैं, तो कुछ गर्मी को पृथ्वी के आसपास रोक सकती हैं. इस वजह से वातावरण थोड़ा गर्म हो सकता है. ज्यादा ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के पीछे दिखाई देने वाली लकीरें बनने की संभावना ज्यादा होती है. कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमान अक्सर ऐसी लकीरें नहीं बनाते क्योंकि वहां हवा गर्म होती है और बिना कंडेनसेशन के एगजॉस्ट से निकलने वाली नमी को सोख सकती है. असल में, ऊंचाई ही यह तय करती है कि सफेद लकीर दिखाई देगी या नहीं.

हरी मिर्च-करौंदे का अचार

सामग्री

- करौंदे: 1 कप
- हरी मिर्च: 10-15
- सरसों का तेल: 3-4 बड़े चम्मच
- सौंफ : 1 बड़ा चम्मच
- राई या पीली सरसों : 1 बड़ा चम्मच
- हल्दी पाउडर: आधा छोटा चम्मच
- हींग: 2 चुटकी
- नमक: स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले करौंदे और हरी मिर्च को पानी से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद इन्हें एक साफ सूती कपड़े से पोंछ लें या थोड़ी देर पंखे के नीचे रख दें ताकि इनका सारा पानी सूख जाए। अब करौंदों को बीच से दो हिस्सों में काट लें। हरी मिर्च के डंठल तोड़कर उन्हें भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।

गैस पर एक कढ़ाई या पैन रखें और उसमें सरसों का तेल डालें। तेल को तब तक गरम करें जब तक उसमें से हल्का धुआं न निकलने लगे। इसके बाद गैस बंद कर दें और तेल को थोड़ा ठंडा होने दें। तेल हल्का गरम रहने पर उसमें सबसे पहले हींग डालें। इसके बाद कढ़ाई में हल्दी, दरदरी सौंफ और

पिसी हुई राई डालकर कुछ सेकंड के लिए चम्मच से चलाएं। अब इस मसाले में कटे हुए करौंदे और हरी मिर्च डाल दें। ऊपर से स्वादानुसार नमक डालें और सबको अच्छी तरह से मिला लें ताकि मसाला हर टुकड़े पर अच्छे से लिपट जाए।

गैस को दोबारा धीमी आंच पर चालू करें और अचार को 2 से 3 मिनट तक चलाते हुए पकाएं। इससे करौंदे हल्के से नरम हो जाएंगे और मसालों का स्वाद उनके अंदर तक चला जाएगा। गैस बंद कर दें और अचार को पूरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे किसी साफ और सूखे कांच के जार में भरकर रख लें। आपका स्वादिष्ट और चटपटा हरी मिर्च-करौंदे का अचार बनकर तैयार है। आप इसे तुरंत भी खा सकते हैं, लेकिन अगले दिन इसका स्वाद और भी बेहतरीन हो जाता है।

40 या 50 की उम्र के बाद खुद को फिट कैसे रखें?

- 40 की उम्र के बाद भी दिखेगा 25 जैसा दम
- डेली रूटीन में शामिल करें ये 'यूथ सीक्रेट्स'

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, शरीर उतना एक्टिव नहीं रहता और हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। यह कमजोरी सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं है, क्योंकि इसके चलते रोजमर्रा के बहुत से काम अटक जाते हैं या बेमन से पूरे होते हैं। पर सबसे बड़ी चिंता तो यह है कि आजकल के लाइफस्टाइल में 40 और 50 की उम्र में लोग फिट रहने के बजाय लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि शरीर फुर्तीला बना रहे तो बहुत सी आदतें हैं जिन्हें अपने डेली रूटीन में अपनाना जरूरी है।

40 या 50 की उम्र जिंदगी का वो बीच का पड़ाव होता है, जब शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। आइए जानते हैं इस उम्र में कैसे रखें खुद को फिट:

1. सुरक्षित एक्सरसाइज पर भरोसा

इस उम्र में जरूरी नहीं कि भारी वजन उठाकर या इंटेन्स एक्सरसाइज करके खुद को फिट रखा जाए। वॉकिंग, जॉगिंग, हल्के वजन उठाकर और बैडमिंटन जैसे स्पोर्ट्स खेलकर भी शरीर को सक्रिय रखा जा सकता है।

2. रोजाना स्ट्रेचिंग करें

शरीर में लचीलापन बना रहे, इसके लिए योग या आसान सी

स्ट्रेचिंग को रूटीन में शामिल किया जा सकता है। यह आदत शरीर को लचीला और फुर्तीला बने रखने के साथ किसी भी तरह की चोट की आशंका से भी सुरक्षा करती है।

3. वजन के हिसाब से प्रोटीन इंटेक

यहां वजन के हिसाब से प्रोटीन लेने का मतलब है, एक किलोग्राम वजन पर 2 ग्राम तक प्रोटीन लेना। ऐसे में अगर व्यक्ति का वजन 60 किलोग्राम है तो हर दिन 70-80 ग्राम प्रोटीन शरीर की जरूरत है।

4. फाइबर की मात्रा ज्यादा लें

इस उम्र में सोल्यूबल फाइबर से रिच डाइट लेना आवश्यक माना जाता है। स्टेनफोर्ड मेडिसिन के अनुसार, सोल्यूबल फाइबर जैसे-चने, छोले, बीन्स, मटर, नट्स, सीड्स, रसदार फल, हरी-पत्तेदार सब्जियां वजन कंट्रोल करने के साथ डायबीटीज, ब्लड प्रेशर को भी मेंटेन करने में मददगार हैं।

5. कोर को मजबूत रखें

कोर की मजबूती कमर दर्द जैसी समस्याओं से बढ़ती उम्र में छुटकारा दिला सकती है। इसके लिए एक्सरसाइज में प्लैंक, क्रंचेज और ब्रिज जैसी एक्सरसाइज को शामिल किया जा सकता है।

6. पैरों को मजबूती दें

शरीर का संतुलन ठीक तरह से बना रहे, इसके लिए पैरों की मजबूती बेहद मायने रखती है। ट्रेडमिल या पार्क में वॉकिंग, स्टेशनरी बाइक एक्सरसाइज, स्क्वाट को रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष : आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृषभ : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं।

मिथुन : आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। प्रमाद न करें। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी।

सिंह : परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

तुला : मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी।

धनु : व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा।

मकर : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कुंभ : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बेटी को पहले पीरियड के बारे में कैसे बताएं?

इस बात में कोई शक नहीं कि पीरियड को लेकर टीनेज बेटी से बात करना थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन शुरुआती जानकारी बढ़ती बेटियों के लिए जरूरी है। उससे भी ज्यादा जरूरी है कि उन्हें यह जानकारी विश्वसनीय स्त्रोत से मिले। आइए जानते हैं आखिर कैसे आप अपनी बेटी से उसके पहले पीरियड को लेकर बात कर सकते हैं:

1. बातचीत सवाल से करें

बेटी से बात करते समय सवाल पूछें कि क्या उसे पहले से पीरियड के बारे में पता है या नहीं। क्या पता उसे स्कूल या किसी दोस्त से इसके बारे में जानकारी मिली हो। उसे सुनने के बाद अगर लगे कि बेटी को इसे लेकर अधूरी जागरूकता है तो सही जानकारी के बारे में बताएं।

2. फैक्ट पर टिके रहें

पीरियड के बारे में बताना शुरू करने के लिए फैक्ट पर टिके रहना बहुत जरूरी है। जैविक प्रक्रिया को साइंस की क्लास की तरह ही समझाएं। आप बता सकते हैं कि पीरियड किसी महिला के शरीर को बच्चे के जन्म के लिए तैयार करने से जुड़ी एक प्रक्रिया है। महिला के शरीर में जो गर्भाशय होता है उसमें हर महीने हॉर्मोन रिलीज होते हैं जिससे गर्भाशय के आसपास परत बन जाती है। जब गर्भाशय में कोई एग नहीं होता तो यह परत खून के रूप में वजाइना से निकलती है।

3. पीरियड के नैचुरल होने पर जोर दें

एक बार बेटी को जोर देर यह बताएं कि पीरियड एक नैचुरल प्रोसेस है जिससे हर लड़की को

प्यूबर्टी के दौरान गुजरना होता है। यह कोई बीमारी या चोट नहीं है। वहीं, इसकी भी जानकारी दें कि लंबे समय तक पीरियड अनियमित रहना किसी शारीरिक समस्या की ओर संकेत है।

4. अनुभव शेयर करें

मां अपने पहले पीरियड का अनुभव शेयर बेटी को इस बायोलॉजिकल प्रोसेस को लेकर सहज कर सकती हैं। पीरियड से जुड़ी अपनी चुनौतियों की खुलकर जानकारी दें।

5. हॉर्मोनल बदलाव के बारे में बताएं

यह भी बताएं कि पीरियड के समय या उससे पहले हॉर्मोनल बदलाव होते हैं जिससे ब्रेस्ट का टाइट होना, उसमें हल्का दर्द, कमर या जांघों में दर्द, मूड स्विंग्स, पेट में दर्द और ऐंठन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

6. हाइजीन टिप्स

बेटी को सैनिटरी पैड के इस्तेमाल और उसे कितने घंटे के अंतराल में बदलना है, इसकी भी जानकारी दें। इसके अलावा, शरीर की स्वच्छता के साथ-साथ स्कूल या बाहर होने पर कैसे खुद को संभालना है, यह बताना भी जरूरी है।

7. पीरियड साइकल चार्ट मेंटेन करने की जानकारी

इसकी भी जानकारी दें कि पीरियड साइकिल चार्ट को मेंटेन करने से शरीर की हॉर्मोनल हेल्थ के बारे में पता चलता है। पीरियड साइकिल औसतन 28 दिन होता है जबकि सामान्य अवधि 21-35 दिन की होती है, यह भी बेटी को पता होना जरूरी है।

कद्दू के बीज खाने के फायदे

शुगर मैंटेन

यदि आप पंपकीन सीड्स का सेवन करते हैं तो आपकी ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा एकदम कम हो जाएगा. कद्दू के बीज हाइपोग्लाइसेमिक गुण होता है. अध्ययन में भी पाया गया है कि यह डायबिटीज से जुड़ी जटिलताओं जैसे हाई कोलेस्ट्रॉल और बढ़े हुए ब्लड शुगर लेवल को रोकने में मददगार हो सकते हैं. इसलिए जो लोग डायबिटीज के मरीज हैं वे अगर कद्दू के बीज खाएं तो इससे शुगर कंट्रोल रहता है.

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

कद्दू के बीजों में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. ये शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स से होने वाले कोशिकीय नुकसान को कम करने में मदद करते हैं. अगर शरीर में फ्री रेडिकल्स कम हो जाए तो आप हमेशा हेल्दी रहेंगे. आपमें ताकत आएगी और नसें सही से काम करेंगी. एक अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद कद्दू के बीजों का सेवन करती थीं, उनमें स्तन कैंसर का जोखिम उन महिलाओं की तुलना में काफी कम था जो इनका सेवन नहीं करती थीं. एक अन्य अध्ययन से यह भी संकेत मिला कि ये प्री-मेनोपॉजल महिलाओं में भी कद्दू के बीज कैंसर के जोखिम को कम करते हैं.

हार्ट के लिए फायदेमंद

कद्दू के बीज अनसैचुरेटेड फैट्स अच्छा स्रोत हैं. अनसैचुरेटेड फैट का मतलब हेल्दी फैट. इसमें अल्फा-लिनोलेनिक एसिड भी शामिल है. यह सबसे शानदार फैट माना जाता है जिससे हार्ट, लिवर, किडनी हेल्दी रहता है. इससे कई बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है. कद्दू के बीजों का सेवन करने से हार्ट तंदुरुस्त रहता है और हार्ट संबंधी जटिलताओं को खतरा कम हो जाता है. कद्दू के बीज मैग्नीशियम भी बहुत पाया जाता है जो नसों की तंदुरुस्ती के लिए जरूरी है. इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गर्लफ्रेंड ने की शादी की डिमांड तो नाबालिग बॉयफ्रेंड ने ईंट से कुचला सिर, मौत

हापुड़. यूपी पुलिस ने हापुड़ में हुए शिवानी हत्याकांड सुलझा लिया है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी मृतका का बॉयफ्रेंड बताया जा रहा है। हालांकि हत्या करने वाला आरोपी अभी नाबालिग है। उसने शिवानी की हत्या ईंट से सिर कूंचकर की थी। आरोपी का कहना है कि शिवानी उससे शादी करने की जिद पकड़े हुई थी और उसे शादी नहीं करनी थी। हाफिजपुर थाना क्षेत्र में उबारपुर के जंगल में हुए शिवानी हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर हत्यारोपी बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका और बाल अपचारी के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। मृतका बाल अपचारी पर शादी करने का दवाब बना रही थी। जबकि बाल अपचारी ने मना कर दिया था। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था। जिस पर हत्यारोपी ने युवती के सिर में ईट से कई बार वार कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्यारोपी के कब्जे से मृतका का मोबाइल फोन बरामद किया है।

प्रेमी के साथ मां को आपत्तिजनक हालत में देखा; तो बेटे को ही मरवा डाला

मेरठ. मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र के रामराज में सात वर्षीय अंगदवीर की अपहरण के बाद हत्या के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, बच्चे की मां के कथित प्रेमी और एचडीएफसी बैंक के एरिया मैनेजर अर्पित शर्मा ने अवैध संबंधों के खुलासे और बदनामी के डर से मासूम की हत्या कर दी। आरोपी ने मंगलवार दोपहर अंगदवीर का अपहरण किया और उसे हस्तिनापुर के जंगल में ले जाकर चाकू से गला रेतकर मार डाला। रामराज निवासी गुरुसेवक विदेश में नौकरी करते हैं, जबकि उनकी पत्नी गुरप्रीत कौर अपने बेटे अंगदवीर के साथ रह रही थी। मंगलवार दोपहर घर के पास से वैगनआर कार में बच्चे का अपहरण कर लिया गया। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने मीरापुर निवासी अर्पित शर्मा को हिरासत में लिया।

शादी के दौरान विवाद के चलते हत्या से हड़कंप

वाराणसी. वाराणसी में शादी के दौरान हत्या से सनसनी फैल गई। शादी के दौरान विवाद इतना बढ़ गया की हाथापाई हो गई। इसी बीच किसी ने दूल्हे के बड़े पिता के सीने में नुकीला हथियार घोंप दिया। इससे उनकी मौत हो गई। घटना वाराणसी के जक्खिनी में राजातालाब थाना क्षेत्र के मरूई गांव की है। हत्या देर रात शादी के कार्यक्रम के दौरान हुई है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार राजातालाब थाना के मरूई गांव में बुधवार देर रात शादी के दौरान दूल्हे के बड़े पिता की हत्या कर दी गई। मिर्जापुर जिले के बगहा गांव की रेखा और मरूई के हिमांशु के बीच प्रेम संबंध है। लड़की के माता पिता नहीं हैं। शादी के लिए लड़की खुद ही लड़के के घर आ गई थी। देर रात हल्दी की रस्म चल रही थी। डीजे पर तेज आवाज में गाना भी चल रहा था। इस दौरान लड़की पक्ष के आठ से 10 लोग वहां पहुंच गए। सभी ने इस शादी का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के दौरान दोनों पक्ष के लोग भिड़ गए। लड़के पक्ष के लोगों ने कार्यक्रम में घुसे लोगों को दौड़ा दिया। वहां से जब सभी लौटकर आए तो देखा कि हिमांशु के बड़े पिता 52 वर्षीय बहादुर राम की मौत हो चुकी थी।

लोकसभा का नंबर गेम बदलेंगे एकनाथ शिंदे

- NDA में बनेंगे पावरफुल
- देखें सीटों का गणित

नई दिल्ली. उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी का टूटना लगभग तय माना जा रहा है। इसके ताजा संकेत गुरुवार को हुई संसदीय दल की बैठक से मिले हैं, जहां पार्टी के 6 सांसद अनुपस्थित रहे। महाराष्ट्र से शुरू हुई इस बगावत का मैदान राजधानी दिल्ली बना और कहा जा रहा है कि इसका सबसे ज्यादा फायदा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मिल सकता है।

NDA की ताकत बढ़ेगी

लोकसभा में 293 सांसदों के समर्थन वाले सत्तारूढ़ एनडीए का आंकड़ा तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों की मदद के बाद 300 पार पहुंचने वाला है। वहीं, अगर शिवसेना यूबीटी में फूट होती है और 6 सांसद पाला बदलते हैं, तो इसका फायदा भी एनडीए को मिल सकता है, क्योंकि ये लोकसभा सदस्य शिंदे की शिवसेना को समर्थन देने की योजना बना रहे हैं।

एकनाथ शिंदे होंगे और पावरफुल

साल 2022 में जब शिंदे बगावत कर आए थे, तब भाजपा के साथ सत्ता बनाने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि, 2024 विधानसभा चुनाव में तस्वीर बदली और देवेंद्र फडणवीस सीएम बने। वहीं, शिंदे को डिप्टी सीएम पद से संतोष करना पड़ा। दरअसल, चुनाव में भाजपा को 132 और शिवसेना को 57 सीटें मिली थीं। वहीं, इसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा और शिवसेना यूबीटी 42 सीटों वाले राज्य में 9-9 पर सिमट गए थे। जबकि, शिंदे सेना को 7 सीटें मिली थीं।

अब अगर 6 सांसद टूट कर शिवसेना में आते हैं, तो पार्टी की संख्या बढ़कर 13 पर पहुंच जाएगी। साथ ही केंद्र में NDA में भी उनकी स्थिति मजबूत होगी। फिलहाल, सत्तारूढ़ गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा है, जिसके 240 सांसद हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर अचानक चर्चा में आई एनसीपी पहुंच सकती है, जो तृणमूल कांग्रेस के समर्थन से 20 सांसदों पर पहुंच गई है।

गठबंधन में तीसरे स्थान पर तेलुगु देशम पार्टी है। वहीं, अगर शिंदे की पार्टी 13 सांसदों का समर्थन हासिल कर लेती है, तो एनडीए में चौथे स्थान पर पहुंच जाएगी। कहा जा रहा है कि इसके चलते सरकार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

कैसे होगा असर

राजनीतिक जानकार और मुंबई यूनिवर्सिटी के रिसर्च असिस्टेंट संजय पाटिल इसकी वजह बताते हैं। उन्होंने कहा, 'तुरंत नुकसान उद्धव ठाकरे का ही होगा, लेकिन बड़ा राजनीतिक असर कहीं और होगा। अगर शिंदे की संख्या संसद में बढ़ती है तो प्रदेश भाजपा उन्हें वैसे ही नहीं देख पाएगी, जैसे विधानसभा चुनाव के बाद देख रही थी।'

शिवसेना एक नेता ने अखबार को बताया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा के ताकतवर रूप से उभरने के बाद लोगों ने शिंदे की राजनीति को खत्म मान लिया था। उन्होंने कहा, 'लेकिन शिंदे ने एकबार फिर दिखा दिया है कि वह तब खेल बदलना जानते है, जब लोग सोचें कि जंग खत्म हो चुकी है। शिंदे ने मास्टरस्ट्रोक चला है।' कुछ नेताओं का यह भी कहना है कि दिल्ली में हो रहे घटनाक्रम बताते हैं कि शिंदे एनडीए के अहम रणनीतिकारों में शामिल हैं।

हिमाचल में खाई में गिरी बोलेरो गाड़ी, 7 की मौत

चंबा. हिमाचल प्रदेश के चंबा-मसरूंड मार्ग पर सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें मेहल गांव के एक ही परिवार के छह लोग शामिल हैं, जबकि सातवां मृतक ड्राइवर था। पुलिस ने सभी के शवों को खाई से निकाल कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। सूचना के अनुसार, गाड़ी में सवार सभी लोग काकड़ोथा गांव से मुंडन संस्कार में शामिल होकर बुधवार रात को घर लौट रहे थे। इस दौरान इनकी बोलेरो HP-01C-2581 नंबर गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि सड़क से गाड़ी लगभग 1200 फीट नीचे गिरी। इससे गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। आधी रात में हादसे की वजह से किसी को इसकी भनक नहीं लगी। सुबह के वक्त पुलिस को जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुटी।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म

- तय तारीख से एक दिन पहले समझौता
- दोनों प्रेसिडेंट ने दस्तखत किए
- ट्रम्प चिल्लाकर बोले- डील साइन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने दोनों मुल्कों के बीच कई महीनों से चल रही जंग को खत्म करने के लिए एमओयू पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर कर दिए हैं. अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने बुधवार को इस एमओयू पर साइन किए. यह समझौता तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है.

अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने फ्रांस के पैलेस ऑफ वर्सेलिस में मैक्रों के साथ डिनर के दौरान अमेरिका-ईरान एग्रीमेंट की हार्ड कॉपी पर भी आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर कर दिए. साइन किए गए एग्रीमेंट की कॉपी ईरान और मध्यस्थ करा रहे देशों को भेज दी गई है. इससे पहले रविवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने एमओयू पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से साइन किए थे.

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि एमओयू पर साइन होने से दोनों देशों के बीच लगभग चार महीने से चला आ रहा संघर्ष खत्म हो गई है.

तेल बिक्री और प्रतिबंधों में राहत

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान को अपने तेल की बिक्री बिना किसी परिवहन या बीमा संबंधी प्रतिबंध के करने की अनुमति मिलनी चाहिए. उस बिक्री से होने वाली आय तक उसकी पूरी पहुंच होनी चाहिए.

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने ईरान की फ्रीज की गई संपत्तियों तक उसकी पहुंच में मौजूद बाधाओं को हटाने की प्रतिबद्धता जताई है. ईरान चाहता है कि वह अपने तेल का निर्यात स्वतंत्र रूप से कर सके. उसके तेल को ले जाने वाले जहाजों और बीमा सेवाओं पर कोई रोक न हो और तेल बिक्री से होने वाली कमाई सीधे उसे प्राप्त हो सके.

ईरान का कहना है कि अगले 60 दिनों तक दोनों देशों को संयम बरतना होगा और ऐसे किसी भी राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य कदम से बचना होगा जिससे समझौते के क्रियान्वयन और आपसी विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़े.

अमेरिका-ईरान के बीच 14 पॉइंट का ड्राफ्ट समझौता

(अमेरिकी मीडिया CNN के मुताबिक)

1. ईरान 30 दिनों में होर्मुज में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही सामान्य करेगा।
2. अमेरिका समुद्री नाकाबंदी हटाकर 30 दिनों में सामान्य आवाजाही बहाल करेगा।
3. ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।
4. अमेरिका और उसके सहयोगी ईरान के पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर का फंड बनाएंगे।
5. अमेरिका ईरानी तेल, पेट्रोकेमिकल उत्पादों और संबंधित सेवाओं को छूट देगा।
6. अमेरिका, ईरान पर संयुक्त राष्ट्र, IAEA और अपने प्रतिबंध हटाने की दिशा में काम करेगा।
7. ईरान की फ्रीज संपत्तियां और धनराशि जारी की जाएगी।
8. एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करेंगे और आंतरिक मामलों में दखल नहीं देंगे।
9. सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करेंगे। सैन्य कार्रवाई नहीं करेंगे।
10. अंतिम समझौते तक ईरान परमाणु कार्यक्रम में बदलाव नहीं करेगा, अमेरिका नए प्रतिबंध नहीं लगाएगा।
11. समझौते के पालन की निगरानी के लिए विशेष तंत्र बनाया जाएगा।
12. आर्थिक राहत और समुद्री यातायात बहाल होने के बाद बाकी मुद्दों पर बातचीत होगी।
13. 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते पर बातचीत पूरी करने की कोशिश करेंगे।
14. अंतिम समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी मिलेगी।

TMC ने HDFC बैंक से कहा- सभी खाते फ्रीज कर दो

- बागी उड़ा न ले जाएं करोड़ों का फंड !

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस (TMC) के विधायकों के एक बड़े गुट की बगावत के बाद, पार्टी नेतृत्व अब अपने करोड़ों रुपये के बैंक खातों पर नियंत्रण बनाए रखने को लेकर गहराई चिंता में है। पश्चिम बंगाल और दिल्ली दोनों जगहों पर ममता बनर्जी की टीएमसी इस वक्त एक बड़े अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। इसी अभूतपूर्व आंतरिक संकट के बीच पार्टी ने एक आपातकालीन कदम उठाते हुए कोलकाता स्थित HDFC बैंक से अपने सभी बैंक खातों को फ्रीज करने की मांग की है।

बगावत के बीच पूर्व कोषाध्यक्ष ने लिखा पत्र

तृणमूल कांग्रेस के नेता और पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष अरूप विश्वास ने कोलकाता स्थित HDFC बैंक की एक शाखा को पत्र लिखकर पार्टी के बैंक खातों के

संचालन पर तुरंत रोक लगाने का आग्रह किया है। हालांकि वह अब पार्टी के कोषाध्यक्ष नहीं हैं, फिर भी उन्होंने पत्र में खुद को इसी पद पर बताते हुए यह आपातकालीन मांग की है। दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद ममता बनर्जी ने संगठन में बड़े बदलाव किए थे। 5 जून को दक्षिण कोलकाता की टॉलीगंज विधानसभा सीट से चुनाव हारने के बाद अरूप विश्वास को कोषाध्यक्ष पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह सुभाशीष चक्रवर्ती को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

'प्री-साइंड चेक' और फंड लूटे जाने का डर

HDFC बैंक की सेंट्रल प्लाजा शाखा (कोलकाता) को लिखी गई इस चिट्ठी से टीएमसी के भीतर गहराते संकट की साफ तस्वीर सामने आती है। पत्र में अरूप विश्वास ने दावा किया है कि पार्टी के भीतर मौजूद विरोधी गुट खुद को पार्टी का वैध पदाधिकारी बता रहे हैं। उन्होंने बैंक से पार्टी खातों के किसी भी तरह के अनधिकृत इस्तेमाल को रोकने का आग्रह किया है ताकि 'फाइनेंशियल हाईजैकिंग' को रोका जा सके। पत्र में यह भी बताया गया है कि रूटीन प्रशासनिक खर्चों के लिए पार्टी मुख्यालय में कई 'प्री-साइंड' (पहले से हस्ताक्षर किए हुए) ब्लैंक चेक रखे हुए हैं। पार्टी नेतृत्व को डर है कि बागी गुट इन चेकों तक पहुंच बनाकर बैंक खातों से करोड़ों रुपये निकाल सकता है या डायवर्ट कर सकता है।

'सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग सबसे पहले गुनहगार'

नई दिल्ली. शिवसेना नेता संजय राउत ने सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। शिवसेना-यूबीटी के बागी सांसदों के मामले को लेकर संजय राउत ने कहा कि लोकतंत्र की धज्जियां उड़ रही हैं। साथ ही यह भी कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग दोनों, गुनहगार हैं। संजय राउत ने बागी सांसदों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन सांसदों का घर में रहना मुश्किल हो जाएगा। गौरतलब है कि शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के छह सांसद गायब बताए जा रहे हैं। पार्टी ने अपने सभी नौ सांसदों को अर्जेंट मीटिंग के

लिए बुलाया था। यह बैठक पार्टी के दिल्ली स्थित पार्लियामेंट ऑफिस में होनी थी। लेकिन मात्र तीन सांसद ही पहुंचे। वहीं, सूत्रों ने दावा किया है कि बागी सांसदों ने शिंदे गुट की सेना में विलय की मांग करते हुए एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दिया है। हालांकि अभी इस पूरी प्रक्रिया में काफी पेच हैं।

3 सांसद हुए बैठक में शामिल

गौरतलब है कि शिवसेना (उबाठा) के सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे बैठक में शामिल हुए। पार्टी के एकमात्र राज्यसभा सदस्य संजय राउत भी बैठक में मौजूद थे। बैठक में शामिल नहीं होने वाले सांसद नागेश आष्टीकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजेनिंबालकर और भाऊसाहेब वाकचौरे हैं। बैठक के बाद शिवसेना-यूबीटी नेता सावंत ने संवाददाताओं से कहा कि इन छह सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। सावंत ने कहा कि उनसे पूछा जाएगा कि व्हिप जारी किए जाने के बावजूद वे बैठक में शामिल क्यों नहीं हुए। उन्हें जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया जाएगा।

2 दिन में 4 NEET स्टूडेंट ने सुसाइड किया

- गुजरात का छात्र छठी मंजिल से कूदा
- तमिलनाडु की छात्रा ने लिखा- दोबारा एग्जाम से डर

नई दिल्ली. तमिलनाडु के कोयंबटूर में NEET की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी

रिश्तेदारों को वॉट्सएप मैसेज भेजे थे।

मैसेज में उसने लिखा- 'मैंने NEET परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में एडमिशन का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा कैंसिल हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।'

वहीं, अहमदाबाद के न्यू रानीप इलाके में बुधवार रात करीब 2:30 बजे 17 साल के छात्र ने आनंदम फ्लैट्स के ब्लॉक बी की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस जांच में पता चला कि छात्र NEET परीक्षा की तैयारी कर रहा था। आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

पिछले दो दिनों में NEET स्टूडेंट की आत्महत्या का यह चौथा मामला है। इससे पहले 16 जून को देहरादून में 23 साल की रिया थापा और लखनऊ में 17 साल की एक छात्रा ने सुसाइड किया था। 12 मई को NEET परीक्षा रद्द होने के बाद देश भर में अब तक लगभग 12 स्टूडेंट्स जान दे चुके हैं।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप मामले में मौलाना गिरफ्तार

- नागपुर से MP ले जाकर काला जादू करने का आरोप
- निकाह के लिए दबाव बनाया

नागपुर. नागपुर में एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप, काला जादू और जबरन धर्मांतरण मामले में एक मौलाना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 24 साल की महिला ने 12 जून FIR में आरोप लगाया था कि उसे नशीला पदार्थ देकर रेप और ब्लैकमेल किया गया। फिर जबरन शादी और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। हजरत नाम के मौलाना पर महिला के ऊपर काला जादू और धर्मांतरण करने का आरोप है। आरोपी मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया का रहने वाला है। मौलाना की तलाश में कई टीमें लगाई गई थीं।

पहली बार कोई टीम 400 रन बनाकर ऑलआउट

दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से हराया

- श्रेयस ने कोहली को पीछे छोड़ा
- ईशान-गिल ने एक ही ओवर में शतक लगाए

भारत ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 170 रन से हरा दिया। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारतीय टीम 402 रन पर ऑलआउट हो गई। वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार 400 रन बनाने वाली टीम ऑल आउट भी हुई है।

शुभमन गिल (154 रन) और ईशान किशन (125 रन) ने एक ही ओवर अपने-अपने शतक पूरे किए। श्रेयस अय्यर ने विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। वे सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने। मैच के दौरान दरविश रसूली को चोटिल होने पर स्ट्रेचर से मैदान से बाहर ले जाया गया।

पहली बार 2 भारतीयों ने 80 से कम गेंद में शतक लगाया

गिल ने 77 और किशन ने 71 गेंद में शतक पूरा किया। इसके साथ ही दोनों ने भारतीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड बनाया। वनडे क्रिकेट में पहली बार दो भारतीय बल्लेबाजों ने एक ही पारी में 80 या उससे कम गेंद में शतक लगाया।

भारत ने 8वीं बार वनडे में 400 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। टीम ने इस मामले में साउथ अफ्रीका की बराबरी कर ली। साउथ अफ्रीका भी वनडे में 8 बार यह कारनामा कर चुका है।

श्रेयस अय्यर ने 11वां रन बनाते ही वनडे में 3 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 72 पारी और 3049 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सबस कम पारी में 3 हजार रन बनाने वाले विराट कोहली (75 पारी) को पीछे छोड़ दिया है। अब वे शिखर धवन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शुभमन गिल 62 पारी के साथ पहले स्थान पर हैं।

अय्यर सबसे कम गेंद में यह आंकड़ा छूने वाले में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव 2995 गेंद के साथ पहले नंबर पर हैं।

गिल ने 108 गेंद में 150 रन पूरे किए। यह वनडे में किसी भारतीय का तीसरा सबसे तेज 150+ का स्कोर है। पहले स्थान पर ईशान किशन हैं। उन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 103 गेंद पर 150 रन बनाए थे।

ईशान और गिल अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। इस लिस्ट में ईशान (71 गेंद) तीसरे और गिल (77 गेंद) 5वें नंबर पर आ गए हैं। पहले स्थान पर इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी इयोन मॉर्गन हैं।

मोदी पेरिस पहुंचे, भारतीय मूल के लोगों ने स्वागत किया

- G7 समिट में ट्रम्प बोले- मोदी के रहते भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका साथ

पेरिस. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार देर रात करीब 2 बजे (भारतीय समय अनुसार) पेरिस पहुंचे। यहां होटल के बाहर भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया। मोदी ने लोगों से हाथ मिलाया और बच्चों को दुलारा भी। पीएम गुरुवार शाम Vivatech 2026 कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके साथ फ्रांस के

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी मौजूद रहेंगे। एक दिन पहले मोदी फ्रांस के एवियन शहर में आयोजित 52वें G7 समिट में शामिल हुए। उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से 18 मिनट द्विपक्षीय बातचीत हुई।

ट्रम्प ने वादा किया है कि मोदी के रहते कभी भारत पर हमला होता है तो अमेरिका मदद के लिए साथ खड़ा होगा। मोदी के अलावा कोई और नेता भारत में होगा तो मुझे सोचना पड़ेगा।

G7 समिट में ट्रम्प बोले- मैं मोदी की तरह नहीं

- 17 जून को फ्रांस के एवियन शहर में 52वें G7 समिट का दूसरा दिन रहा। पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की द्विपक्षीय चर्चा हुई। इसमें ट्रम्प ने कहा- जब तक मैं प्रेसिडेंट हूं, व्हाइट हाउस में मोदी का हमेशा अच्छा दोस्त मौजूद रहेगा।
- ट्रम्प ने पीएम मोदी की तारीफ में कहा- जब तक मोदी लीडर हैं, इंडिया हर फील्ड में बड़ा रोल निभाएगा। मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूं।
- बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी।

विदेशी महिला टूरिस्ट बोली- देवभूमि को कूड़े से मत भरिए

- मंदिरों-पर्यटन स्थलों पर कचरा देख भावुक हुई

शिमला. हिमाचल की राजधानी शिमला के पर्यटन स्थलों में फैली गंदगी को लेकर एक विदेशी महिला टूरिस्ट ने चिंता जाहिर की। महिला ने लगभग डेढ़ मिनट का वीडियो बनाकर लोकल लोगों और टूरिस्टों से भावुक अपील की। इसमें महिला टूरिस्ट कहती हैं कि हिमाचल प्रदेश को लोग 'देवभूमि' कहते हैं, लेकिन यहां धार्मिक, पर्यटन स्थलों और जंगलों में कचरा देखकर उसे बेहद दुख हुआ।

विदेशी महिला ने अपने संदेश में कहा कि मैं आपसे सिर्फ एक गुजारिश करती हूं, कृपया ऐसा करना बंद कर दीजिए। मैं हिमाचल प्रदेश, शिमला में हूं और यहां यात्रा करते हुए मैंने एक बहुत दुखद चीज देखी है, जो मुझे हर जगह दिखाई दे रही है।

22 जून तक नहीं पहुंचेगा मानसून

- 8 राज्यों में तापमान 40°C पार
- देश में अब तक 42% कम बारिश

नई दिल्ली. मानसून 8 जून से तेलंगाना के भद्राचलम में अटका हुआ है। इसके 22 जून से पहले राजस्थान, यूपी और एमपी पहुंचने की संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के मुताबिक, आमतौर पर मानसून 15-16 जून तक एमपी, 18-20 जून तक यूपी और और 20 जून तक राजस्थान पहुंच जाता है। इस बार तीनों राज्यों में इसकी एंट्री देर से होगी। 4 जून को केरलम पहुंचने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

मानसून ने लगातार तीसरे साल जून में लंबा ब्रेक लिया है। हालांकि, 2024 और 2025 में शुरुआती ब्रेक के बावजूद पूरे सीजन में सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी। इस साल 4 जून से 18 जून के बीच देश में सामान्य से 42% कम बारिश हुई है।

वहीं, प्री-मानसून ऐक्टिव होने के बावजूद महाराष्ट्र, तेलंगाना और ओडिसा समेत 8 राज्यों में तापमान 40°C के पार है।

अल नीनो के हालात भी बन रहे

अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (NOA) ने उपग्रह के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इसके अनुसार इंटरट्रॉपिकल कन्वर्जेंस जोन पर्याप्त गति से सक्रिय नहीं हो पाया है, इससे मानसून की रफ्तार धीमी है। यह सामान्य रूप से जून के मध्य तक उत्तर की ओर बढ़कर भारत में नमी खींचता है।

संक्षेप...

किला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई. दक्षिण मुंबई के प्रसिद्ध एस्प्लेनेड कोर्ट (किला कोर्ट) में उस समय हड़कंप मच गया. जब एक अज्ञात शख्स ने ईमेल के जरिए परिसर में बम होने की धमकी दी. धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं. एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर को खाली कराकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया. सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया था कि अदालत के अंदर बम प्लांट किया गया है, जो जल्द ही ब्लास्ट हो जाएगा. मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) और डॉग स्क्वायड की टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया. कई घंटों तक चले व्यापक सर्च ऑपरेशन के बाद राहत की सांस मिली.

शिवसेना UBT के 6 बागी सांसदों को Y+ सिक्योरिटी

■ सड़कों पर उतरे उद्धव के कार्यकर्ता

मुंबई. शिवसेना (UBT) में संभावित बगावत के बीच उद्धव ठाकरे गुट के छह बागी सांसदों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. आधिकारिक वायरलेस मैसेज के मुताबिक, गृह मंत्रालय के निर्देश पर महाराष्ट्र पुलिस को इन सांसदों को तत्काल प्रभाव से 'Y+' श्रेणी के बराबर स्थानीय सुरक्षा उपलब्ध कराने को कहा गया है. वहीं, दूसरी तरफ उद्धव गुट के कुछ कार्यकर्ता हालिया बगावत के खिलाफ सड़कों पर उतर गए हैं.

17 जून 2026 को जारी इस

मैसेज में महाराष्ट्र के विभिन्न पुलिस और खुफिया अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि हालिया संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए संबंधित सांसदों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए.

आदेश में कहा गया है कि संबंधित जिला और पुलिस इकाइयां स्थानीय परिस्थितियों और खतरे के आकलन के आधार पर इन सांसदों को सुरक्षा मुहैया कराएं. इसके साथ ही, जिला स्तरीय सुरक्षा समीक्षा समितियों को उनकी सुरक्षा बढ़ाने, घटाने या यथावत रखने पर फैसला लेने को भी कहा गया है.

जारी किए गए मैसेज में यह भी निर्देश दिया गया है कि जब ये सांसद अपने-अपने क्षेत्रों में दौरा करें या सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लें, तब स्थानीय पुलिस अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाए, जिससे किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके.

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है, जब शिवसेना (UBT) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे गुट के संपर्क में होने और पार्टी से अलग होने की अटकलें तेज हैं. ऐसे में इन सांसदों की सुरक्षा बढ़ाए जाने को राजनीतिक हलकों में काफी अहम माना जा रहा है.

किन सांसदों को मिली सुरक्षा?

जारी किए गए डॉक्यूमेंट में जिन सांसदों के नाम शामिल हैं, उनमें यवतमाल के सांसद संजय देशमुख, परभणी के सांसद संजय जाधव, मुंबई उत्तर-पूर्व के सांसद संजय दीना पाटिल, हिंगोली के सांसद नागेश पाटिल अष्टिकार, धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर और शिरडी के सांसद भाऊसाहेब वाघचौरे शामिल हैं.

SIR : राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिलाधिकारी ने की मीटिंग

ठाणे. 14 मई 2026 के इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया के निर्देशों के मुताबिक, ठाणे ज़िले में लागू होने वाले 'स्पेशल इन-डेप्थ रिव्यू प्रोग्राम (SIR)' की तैयारी और उसे लागू करने के बारे में राजीनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ डिटेल में चर्चा करने के लिए आज एक स्पेशल मीटिंग रखी गई थी। यह मीटिंग जिलाधिकारी और जिला इलेक्शन ऑफिसर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय के कमिटी हॉल में सफलतापूर्वक पूरी हुई।मीटिंग में मुख्य रूप से उपजिलाधिकारी इलेक्शन ऑफिसर वैशाली माने, तहसीलदार प्रदीप कुडाल और अलग-अलग मान्यता प्राप्त राजीनीतिक पार्टियों के पदाधिकारी

और प्रतिनिधि मौजूद थे।मीटिंग की शुरुआत में, जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने ठाणे ज़िले के असेंबली चुनाव क्षेत्रों, मौजूदा वोटरों की संख्या और पोलिंग स्टेशन के हिसाब से स्ट्रक्चर के बारे में पदाधिकारियों के साथ डिटेल में चर्चा की। इसके बाद, चुनाव क्षेत्र के हिसाब से चल रहे स्पेशल इन-डेप्थ रिव्यू प्रोग्राम (SIR) की ऑनलाइन मैपिंग की प्रोग्रेस और परसेंटेज का डिटेल में रिव्यू किया गया। साथ ही, पोलिंग स्टेशन लेवल रिप्रेजेंटेटिव (BLA) की नियुक्ति के बारे में राजनीतिक पार्टियों द्वारा किए गए काम का मौजूदा स्टेटस जानने के बाद, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने सभी पार्टियों से इसमें बड़े पैमाने पर हिस्सा लेने की अपील की।

टोरेंट पावर और महावितरण द्वारा संयुक्त रूप से

चाविंद्रा ग्राहक सेवा सेंटर में विशेष ग्राहक सेवा शिविर का आयोजन

■ ग्राहकों को बेहतर सेवा देना टोरेंट पावर की प्राथमिकता

भिवंडी. टोरेंट पावर कंपनी और महावितरण (MSEDCL) द्वारा संयुक्त रूप से भिवंडी स्थित चाविंद्रा अर्श ग्राहक सेवा कार्यालय में एक विशेष ग्राहक सेवा शिविर का आयोजन किया गया. ग्राहक सेवा शिविर को ग्राहकों का भारी प्रतिसाद मिला.शिविर से करीब 500 बिजली ग्राहकों की समस्याओं का समाधान संबंधित अधिकारियों की टीम द्वारा किया गया.

गौरतलब हो कि,ग्राहक सेवा शिविर में ग्राहकों द्वारा प्रमुख विषय महावितरण (MSEDCL) का पुराना लंबित बकाया का रहा. महावितरण के अधिकारियों ने ग्राहकों को आंशिक भुगतान (part payment) सुविधा प्रदान कर सहायता की.टोरेंट के अधिकारियों ने भी उपभोक्ताओं की बिलिंग और विजिलेंस संबंधी विषयों में मार्गदर्शन और सहायता किया. टोरेंट पावर द्वारा बिजली चोरी, डिजिटल भुगतान सेवा, विद्युत सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण के सुझावों आदि विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए किया. विशेष ग्राहक सेवा शिविर में टोरेंट पावर के महाप्रबंधक – अंकित साहा, राघवेंद्र राव, विजय राणे, प्रशांत कुलकर्णी,जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महावितरण के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी ने बताया कि, ग्राहक सेवा शिविर का सकारात्मक पहलू यह रहा कि, बिजली उपभोक्ताओं ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर समस्याओं को बताया और समाधान पाकर खुशी हुए. ग्राहकों ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा कर समग्र जानकारी प्राप्त की.

नासिक-मुंबई हाईवे पर भीषण हादसा, महिला की मौके पर ही मौत

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने घटनास्थल पर मदद के लिए हाथ बढ़ाया

भिवंडी. गुरुवार सुबह मुंबई-नासिक हाईवे पर ठाणे की ओर जाने वाली सड़क पर दिवे में एक भीषण हादसा हुआ. दोपहिया वाहन और ट्रक की टक्कर में दोपहिया वाहन पर पीछे बैठी महिला की ट्रक के पहिए के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई. मृतक महिला का नाम रीमा मुकेश भाटिया (28) कल्याण निवासी है और दोपहिया वाहन चालक समीर भीष घायल है.

इस बीच, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अंजुर में नासिक के नगरसेवकों से मुलाकात की और जब वे ठाणे की ओर जा रहे थे, तब दुर्घटना के बारे में उनके संज्ञान में आने के बाद, उन्होंने तुरंत अपने वाहनों के बेड़े को रोक दिया, दुर्घटना के बारे में जानकारी ली और उन्हें तुरंत मदद के लिए एम्बुलेंस उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. टक्कर लगने से टू-व्हीलर पर बैठी महिला सड़क पर गिर गई और ट्रक का पहिया निकल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे में टू-व्हीलर सवार घायल हो गया और उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इस मामले में आगे की जांच जारी है।

मोहर्रम शांति, सौहार्द और अनुशासन के साथ मनाएं -डीसीपी डॉ. पवन बनसोड

■ शांति समिति की बैठक सम्पन्न

भिवंडी. आगामी मोहर्रम के मद्देनजर पुलिस उपायुक्त परिमंडल-2 की ओर से भिवंडी में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) डॉ. पवन बनसोड ने की। इस अवसर पर पूर्व एवं पश्चिम विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), नारपोली, भोईवाड़ा, शांतिनगर सहित परिमंडल के छह पुलिस थानों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक तथा शांति समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में मोहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजिया जुलूसों के मार्ग पर आने वाली विभिन्न समस्याओं, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया कि जुलूस मार्ग पर मौजूद सभी बाधाओं को शीघ्र दूर किया जाएगा। वहीं, टोरेंट पावर कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी विद्युत लाइनों से संबंधित अवरोधों को हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया।

बैठक को संबोधित करते हुए डीसीपी डॉ. पवन बनसोड ने कहा कि वह हाल ही में भिवंडी में पदस्थ हुए हैं और यहां के नागरिक शांति एवं आपसी सौहार्द के साथ रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में कुछ अप्रिय घटनाएं हुई होंगी, लेकिन पिछले दस वर्षों से शहर में शांति का वातावरण कायम है और समय के साथ भिवंडी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ताजिया जुलूस अथवा किसी भी धार्मिक कार्यक्रम के लिए आवश्यक पुलिस अनुमति लेना अनिवार्य है। जुलूस में उपयोग किए जाने वाले झंडों की ऊंचाई सीमित रखने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि इससे बिजली की तारों अथवा अन्य अवरोधों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों और संगीत का उपयोग निर्धारित नियमों एवं समय सीमा के भीतर ही करने का निर्देश दिया गया।

'घोड़बंदर रोड का नाम चिमाजी अप्पा के नाम पर रखा जाना चाहिए'

ठाणे. वसई की ऐतिहासिक लड़ाई में पुर्तगालियों को हराने वाले महान योद्धा चिमाजी अप्पा की बहादुरी का सम्मान करने के लिए, ठाणे में घोड़बंदर रोड का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए और वसई विजय अभियान में योगदान देने वाले सभी मराठा योद्धाओं की याद में एक बड़ा 'वसई विजय स्मारक' बनाया जाना चाहिए, यह मांग धनगर प्रतिष्ठान, ठाणे जिले की ओर से की गई है। इस बारे में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और ठाणे नगर निगम के मेयर को एक ज्ञापन दिया गया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि 1739 AD में वसई विजय अभियान ने मराठा साम्राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण युग बनाया। हालांकि इस अभियान का नेतृत्व चिमाजी अप्पा ने किया था, लेकिन मल्हारराव होलकर, रानोजी शिंदे, मानाजी आंग्रे समेत कई मराठा सरदारों और बहादुर सैनिकों का योगदान कीमती था। इसलिए, घोड़बंदर रोड का नाम चिमाजी अप्पा के नाम पर रखने के साथ-साथ, धनगर प्रतिष्ठान ने मांग की है कि सड़क के शुरू और आखिर की खास जगहों पर एक 'वसई विजय स्मारक' बनाया जाए.

ट्रक समेत 1.9 करोड़ रुपये की गोवा में बनी शराब जब्त

■ राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने की कार्रवाई

भिवंडी. ठाणे डिवीजन के डिवीजनल डिप्टी कमिश्नर प्रदीप पवार के मार्गदर्शन में भिवंडी स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट ने शहर में मुंबई-नासिक रोड पर वडपे गांव की सीमा के अंदर गोवा राज्य से शराब ले जा रहे एक कंटेनर ड्राइवर को हिरासत में लिया है और गोवा राज्य में बिक्री के लिए लाई जा रही शराब के साथ 1.63 करोड़ 29 हजार 600 रुपये का कंटेनर और कुल 1.9 करोड़ 90 लाख रुपये का माल जब्त किया है। राज्य आबकारी विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 17 जून को भिवंडी तालुका में मुंबई नासिक रोड पर वडपे गांव के मेहराब के सामने राज्य आबकारी विभाग को विश्वसनीय गुप्त सूचना मिली थी कि गोवा राज्य में बिक्री के लिए विदेशी शराब के स्टॉक को कंटेनर क्रमांक HR 61 F 1508 में ले जाया जा रहा है।

राज्य आबकारी उपायुक्त प्रदीप पवार, ठाणे अधीक्षक उत्तम शिंदे, उप अधीक्षक अभिजीत देशमुख के मार्गदर्शन में निरीक्षक सुभाष एस खंडेराई, दीपक परब, राज्य आबकारी उड़न दस्ते के उप निरीक्षक संजय वाकचौरे, अप्पा चव्हाण, अर्जुन कापड़े, कर्मचारी नारायण जानकर, गणेश पाटिल, सचिन पवार, नीलेश तायड़े, स्वरूपा भोसले के नेतृत्व में एक टीम ने मुंबई नासिक रोड पर वडपे गांव के मेहराब के सामने जाल बिछाया। जैसे ही संदिग्ध वाहन आया, चालक को कंटेनर रोकने के लिए कहा गया और उसके पास कंटेनर में रखी सामग्रियों के दस्तावेजों की जांच की गई। उसमें एक दस्तावेज मिला, जिसमें लिखा था कि यह माल एम. मिलन लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड पोंडा गोवा द्वारा गोवा राज्य से एम. कैब ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड पोंडा गोवा ले जाया जा रहा था और इलेक्ट्रॉनिक सामान डिजिटल फिक्स प्राइवेट लिमिटेड उदयपुर राजस्थान ले जाया जा रहा था.

जब कंटेनर की जांच की गई, तो कंटेनर में 1620 पेटियों में रॉयल ब्लू व्हिस्की की 77 हजार 760 बोतलें मिलीं. कंटेनर चालक हनुमान मोबता राम (28) को गिरफ्तार किया गया है और ट्रैप कार्रवाई में यह पता चला है कि अवैध शराब गोवा से राजस्थान के उदयपुर राज्य में ले जाई जाएगी. इस अपराध की आगे की जांच राज्य आबकारी भिवंडी विभाग के निरीक्षक सुभाष एस. खंडेराई कर रहे हैं.

55 करोड़ के सड़क निर्माण कार्य हुआ निकृष्ट दर्जे का विजेटीआई के जरिए ऑडिट की मांग

ठाणे. विधायक संजय केलकर ने खुद सड़क पर JCB चलवाई और बालकुम, ढोकाली, दोस्ती आदि में 55 करोड़ के प्रस्तावित कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य के निकृष्ट दर्जे कामों की खराब क्वालिटी का खुलासा किया।ठाणे मनपा ने केंद्र सरकार से 600 करोड़ का बिना ब्याज का लोन लिया है। इस निधि में से 55 करोड़ रुपये बालकुम, ढोकाली, दोस्ती आदि में चार कंक्रीट सड़कों के निर्माण पर खर्च किए गए हैं। बालकुम-कोलशेत रोड, दोस्ती वेस्ट काउंटी कॉम्प्लेक्स से लोढ़ा अमारा कॉम्प्लेक्स प्रवेश द्वार नंबर 4, बालकुम ददलानी रोड, अयप्पा मंदिर के सामने ददलानी रोड से हायलैंड हेवन सोसायटी तक की सड़क, बालकुम रुनवाल गार्डन सिटी रोड और बालकुम नाका से बालकुम पाड़ा नंबर 3 से गणपति

विसर्जन घाट तक, नया अंडरग्राउंड फुटपाथ आदि का निरीक्षण विधायक संजय केलकर ने किया।इन सड़कों का निरीक्षण करते समय कई त्रुटियां पाई गईं। पाया गया कि सड़कों के किनारे फुटपाथ और नालियों का काम वर्क ऑर्डर के अनुसार नहीं किया गया था।विधायक केलकर ने खराब क्वालिटी के काम के कारण करोड़ों रुपये बर्बाद होने की आशंका जताई और मांग की कि इन सड़कों के काम का ऑडिट वीजेटीआई के माध्यम से किया जाए। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि दोस्ती काउंटी में प्रस्तावित साइकिल और जॉगिंग ट्रैक वास्तव में लागू होगा या नहीं। केलकर ने अधिकारियों को चेतावनी भी दी कि वे सावधानी बरतें ताकि लोन पर बनी सड़कों की ऐसी खराब हालत न हो।इंस्पेक्शन टूर के दौरान माजीवाड़ा-मानपाड़ा वार्ड कमेटी के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजय कदम, डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर कुसुरकर, इंजीनियर मोरे,भाजपा के संजय पाटिल, कैलाश म्हात्रे, रविराज रेड्डी, भानुदास भोईर, एडवोकेट हेमंत म्हात्रे, नीलेश पाटिल, समीर भोईर, मयूर भोईर, राजेश देशमुख, नीरज कबाड़ी आदि मौजूद थे।

सोनू निगम की गर्दन की नस दबी

■ दवाइयों के कारण भारी हुई आवाज

सोनू निगम इन दिनों एक गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर खुद ये बात बताई है। उन्होंने कहा कि उनकी गर्दन की नस दब गई है। पिछले एक हफ्ते से वे असहनीय दर्द झेल रहे हैं और अपना एमआरआई - सीटी स्कैन करवा रहे हैं। इतना ही नहीं, फिजियोथेरेपी की भी मदद ले रहे हैं और दवाइयां खा रहे हैं। सोनू ने बताया कि इन दवाइयों के वजह से उनकी आवाज भारी हो गई है।

■ सोनू निगम का फैसला

इन तकलीफों की वजह से सोनू निगम करीब सवा महीने तक शोज नहीं कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने वापस शोज करने का फैसला लिया है। गर्दन पर पट्टियां बांधकर वे परफॉर्मेंस की तैयारियों में जुट गए हैं। उन्होंने ईश्वर से इस मुश्किल घड़ी में शक्ति की कामना की है। वहीं कविता सेठ, अलीशा चिनॉय और रूपकुमार राठौड़ जैसे सेलेब्स उनके जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं।

■ दिल्ली से कैसे आए मुंबई?

सोनू निगम को बचपन से ही गाने का शौक था। ऐसे में सोनू निगम दिल्ली के स्थानीय कार्यक्रमों में गाते थे और लोगों को उनकी आवाज बहुत पसंद आती थी। धीरे-धीरे छोटे-बड़े इवेंट्स में उनकी मांग बढ़ने लगी, लेकिन सोनू और उनके पिता अगम कुमार निगम जानते थे कि अगर संगीत की दुनिया में कोई बड़ा मुकाम हासिल करना है तो मुंबई जाना ही होगा। ऐसे में सोनू निगम 18 साल की उम्र में मुंबई आ गए।

■ चार साल का स्ट्रगल

शुरुआत में सोनू को बहुत स्ट्रगल करना पड़ा। चार साल तक वे और उनके पिता काम की तलाश में संगीत निर्देशकों के दफ्तरों के चक्कर काटते थे। जब काम नहीं मिल रहा था तब घर का खर्च चलाने के लिए सोनू स्टेज शोज में महान गायक मोहम्मद रफी के गाने गाते थे।

नाबालिग लड़की का गर्भपात कराने वाली महिला डॉक्टर गिरफ्तार

- भाईंदर भ्रूण मामले में बड़ी कार्रवाई
- महिला डॉक्टर और युवक गिरफ्तार
- पब्लिक टॉयलेट में मिला मरा हुआ भ्रूण

भायंदर. भायंदर पुलिस ने 14 जून को भायंदर वेस्ट के एक पब्लिक टॉयलेट के रूम नंबर-2 में मिले मरे हुए भ्रूण के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में पुलिस ने एक महिला डॉक्टर और एक युवक को 16 साल की नाबालिग लड़की का गैर-कानूनी तरीके से गर्भपात करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 14 जून को दोपहर करीब 1:30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर '112' पर सूचना मिली कि एक पब्लिक टॉयलेट में मरा हुआ भ्रूण मिला है। जांच में पता चला कि एक 19 साल के युवक ने एक नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। लड़की के गर्भवती होने के बाद उसने BHMS डॉक्टर चांदनी गजराज चौरसिया से संपर्क किया और गर्भपात की गोलियां हासिल कीं। इस मामले में भायंदर पुलिस ने इंडियन पीनल कोड की धारा के तहत मामला दर्ज कर 15 जून को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 20 जून तक पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

अवैध विस्फोटक का भंडाफोड़

भिवंडी. ठाणे ग्रामीण पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने भिवंडी तालुका के जानवल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संग्रहीत विस्फोटक सामग्री का जखीरा बरामद किया है।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 306 जिलेटिन छड़ें, 110 डेटोनेटर, विस्फोटकों की खरीद-बिक्री से संबंधित रजिस्टर तथा अन्य सामग्री जब्त की.

मनपा आयुक्त ने मानसून से निपटने के लिए दिए सख्त निर्देश

भिवंडी. आगामी मानसून को देखते हुए भिवंडी मनपा ने आपदा प्रबंधन को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मनपा आयुक्त अनमोल सागर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

बैठक में आयुक्त ने शहर की सभी खतरनाक इमारतों का सर्वेक्षण कर उन्हें सी-1 से सी-3 श्रेणी में वर्गीकृत करने के निर्देश दिए। अतिधोकादायक सी-1 श्रेणी की इमारतों को तत्काल खाली कराकर वहां की बिजली एवं पानी आपूर्ति बंद करने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया। साथही निजी स्कूलों और विवाह हॉलों की संरचनात्मक सुरक्षा रिपोर्ट की भी जांच की जाएगी। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए शहर के 86 नालों और प्रमुख सड़कों के गटरों की पूरी तरह सफाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़कों की मरम्मत एवं खुले मैनहोल पर तुरंत ढक्कन लगाने के आदेश भी दिए गए।

आम सूचना

मैं श्री आकाश रुक्माजी बनसोडे सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. जी-2, तल मजला, मनु को.आप हाउसिंग सोसायटी लि., प्लाट नं. 208, साधुबेला हायस्कूल के पीछे, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 05एआय014472400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पायल हरेश पठई के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.1.2026 सी.नं. 297/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री आकाश रुक्माजी बनसोडे

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099